Toppersnotes®
Unleash the topper in you

HPSC

हरियाणा लोक सेवा आयोग

Haryana Public Service Commission

सामान्य अध्ययन

पेपर – 1 और 2

सामान्य हिंदी एवं अंग्रेजी

SIERRA INNOVATIONS

Haryana Public Service Commission

पेपर - 1 और - 2 - सामान्य हिंदी एवं अंग्रेजी

क्र.सं.	अध्याय	पृष्ठ सं.
	हिन्दी	
1.	संधि	1
2.	उपसर्ग	17
3.	प्रत्यय	27
4.	पर्यायवाची	35
5.	विलोम – शब्द	37
6.	शब्द युग्म	43
7.	वाक्य के लिए एक शब्द	53
8.	वर्तनी शुद्धि	59
9.	शुद्ध–वर्तनी एवं वाक्य शुद्धि	62
10.	मुहावरे	73
11.	लोकोक्ति	79
12.	पारिभाषिक शब्दावली	82
13.	संक्षेपण	88
14.	कार्यालयी पत्र या सरकारी पत्र	97
15.	अनुवाद	106
16.	निबंध लेखन	110
	English	
1.	Articles	119
2.	Preposition	122
3.	Time and Tense	140
4.	Voice	144
5.	Narration	148
6.	Antonyms & Synonyms	156
7.	Phrasal Verb	169
8.	Idioms & Phrases	178
9.	One Word Substitution	191

10.	Confusable Words	214
11.	Unseen Passage	225
12.	Precis-Writing	249
13.	Essay	263
14.	Letter Writing	284

प्रिय विद्यार्थी, टॉपर्सनोट्स चुनने के लिए धन्यवाद।

नोट्स में दिए गए QR कोड्स को स्कैन करने लिए टॉपर्स नोट्स ऐप डाउनलोड करे।

ऐप डाउनलोड करने के लिए दिशा निर्देश देखे :-

ऐप इनस्टॉल करने के लिए आप अपने मोबाइल फ़ोन के कैमरा से या गूगल लेंस से QR स्कैन करें।

टॉपर्सनोट्स एग्जाम प्रिपरेशन ऐप

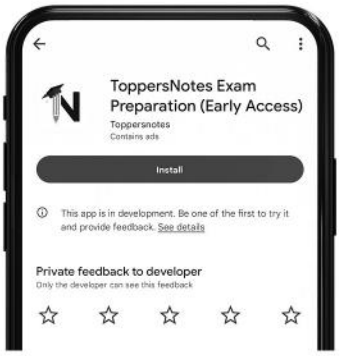

टॉपर्सनोट्स ऐप डाउनलोड करें गूगल प्ले स्टोर से।

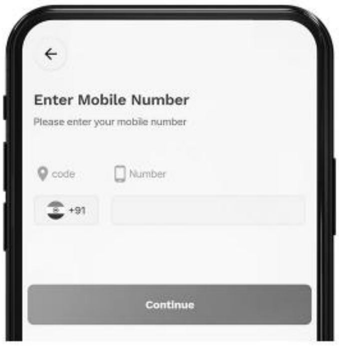

लॉग इन करने के लिए अपना **मोबाइल नंबर** दर्ज करें।

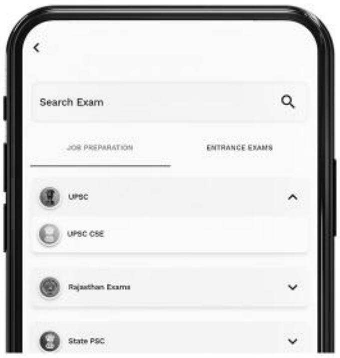

अपनी **परीक्षा श्रेणी** चुनें।

सर्च बटन पर क्लिक करें।

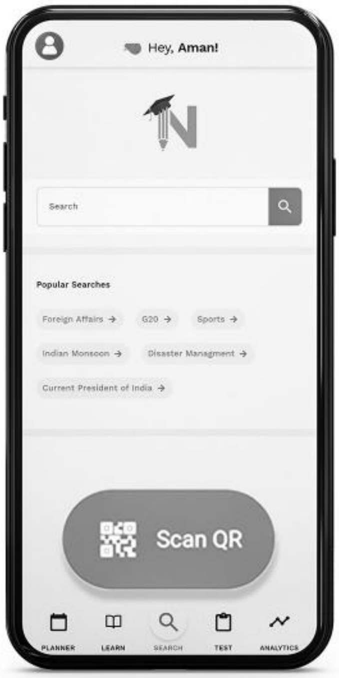

SCAN QR पर क्लिक करें।

किताब के **QR कोड को स्कैन** करें।

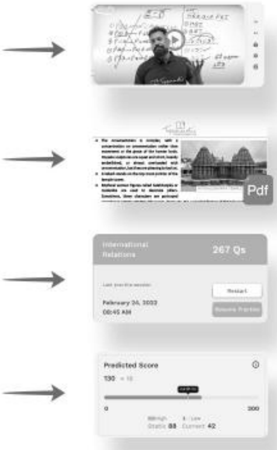

- सोल्युशन वीडियो
- डाउट वीडियो
- कॉन्सेप्ट वीडियो

- अतिरिक्त पाठ्य-सामग्री

- विषयवार अभ्यास
- कमजोर टॉपिक विश्लेषण

- रैंक प्रेडिक्टर
- टेस्ट प्रैक्टिस

किसी भी तकनीकी सहायता के लिए **hello@toppersnotes.com** पर मेल करें या **766 56 41 122** पर whatsapp करें।

संधि

संधि का अर्थ–मिलान

संधि की परिभाषा

- दो या दो से अधिक वर्णों के मेल से जो विकार उत्पन्न होता है वह संधि कहलाता है अर्थात् जब दो ध्वनियाँ आपस में मिलती है तो उसमें रूपान्तर आ जाता है, तब संधि कहलाती है।

जैसे –

प्रत्येक	–	प्रति + एक
विद्यालय	–	विद्या + आलय
जगदीश	–	जगत + ईश
आशीर्वाद	–	आशीः + वाद

संधि की परिभाषा

कामता प्रसाद के अनुसार

दो निर्दिष्ट अक्षरों के पास–पास आने के कारण उनके मेल से विकार होता है, उसे संधि कहते है।

किशोरीदास वाजपेयी के अनुसार

जब दो या दो से अधिक वर्ण पास–पास आते हैं तो कभी–कभी उसमें रूपान्तर आ जाता है वह संधि कहलाती है।

संधि विच्छेद

- वर्णों के मेल से उत्पन्न ध्वनि परिवर्तन को ही संधि कहते है। परिणामस्वरूप उच्चारण एवं लेखन दोनों ही स्तरों पर अपने मूल रूप से भिन्नता आ जाती है। अतः वर्णों/ध्वनि को पुनः मूल रूप में लाना ही संधि विच्छेद कहलाता है।

जैसे–

वर्ण	+	मेल	=	संधि युक्त शब्द
रमा	+	ईश	=	रमेश
आ	+	ई	=	ए

- यहाँ (आ + ई) दो वर्णों के मेल से विकार स्वरूप 'ए' ध्वनि उत्पन्न हुई और संधि का जन्म हुआ।
  संधि विच्छेद के लिए पुनः मूल रूप में लिखना चाहिए।

जैसे–

शुभ	+	आगमन	–	शुभागमन
सत्	+	आचरण	–	सदाचरण
निः	+	ईश्वर	–	निरीश्वर

संधि के भेद		
स्वर संधि	**व्यंजन संधि**	**विसर्ग संधि**
(स्वर + स्वर का मेल) महा + आत्मा (आ + आ)	स्वर + व्यंजन → परि + छेद (इ + छ) व्यंजन + स्वर → दिक् + अम्बर (क् + अ) व्यंजन + व्यंजन → सत् + वाणी (त् + व्)	विसर्ग + स्वर → मनः + अविराम (ः + अ) विसर्ग + व्यंजन → तपः + वन (ः + व्)

1. स्वर संधि

स्वर से स्वर का जब मेल होता है तो उसमें विशेष विकार की स्थिति के उत्पन्न होनें को ही स्वर संधि कहा जाता है।

जैसे– विद्यार्थी – विद्या + अर्थी
आ + अ = आ

स्वर संधि के मुख्यतः पाँच भेद होते है–

स्वर संधि के भेद

दीर्घ संधि गुण संधि वृद्धि संधि यण संधि अयादि संधि

(i) दीर्घ संधि

- इस संधि में दो समान स्वर मिलकर दीर्घ हो जाते है।
- यदि अ, आ, इ, ई, उ, ऊ, ऋ, के बाद वे ही (अर्थात् समान) लघु या दीर्घ स्वर आ जायें तो दोनों मिलकर आ, ई, ऊ, ॠ हो जाते हैं।

(अ + अ = आ)

अ + अ = आ	(i) युग + अन्तर = युगान्तर युग् अ + अन्तर युगान्तर युग् आ न्तर युग् अ + अन्तर युग + अन्तर	(ii) स्व + अर्थ = स्वार्थ स्व् अ + अर्थ आ स्व् आ र्थ स्वार्थ
अ + आ = आ	(i) हिम + आलय = हिमालय हिम् अ + आ लय आ हिम् आ लय हिमालय	(ii) गमन + आगमन = गमनागमन गमन् अ + आगमन आ गमन् आ गमन गमना गमन
आ + अ = आ	(i) तथा + अपि = तथापि तथ् आ + अ पि आ त थ् आ पि तथापि	(ii) महा + अमात्य = महामात्य मह् आ + अमात्य आ म ह् आ मात्य महामात्य
आ + आ = आ	(i) प्रेरणा + आस्पद = प्रेरणास्पद प्रेरण् आ + आ स्पद आ प्रेरण् आ स्पद प्रेरणास्पद	(ii) चिकित्सा + आलय = चिकित्सालय चिकित्स् आ + आलय आ चिकित्स् आ लय चिकित्सालय
इ + इ = ई	(i) अति + इव = अतीव अत् + इव ई अत् + ई व अतीव	(ii) कवि + इन्द्र = कवीन्द्र क व् इ + इन्द्र ई क व् ई न्द्र कवीन्द्र
इ + ई = ई	प्रति + ईक्षा = प्रतीक्षा प्रत् इ + ईक्षा ई प्र त् ई क्षा प्रतीक्षा	
ई + इ = ई	मही + ईन्द्र = महीन्द्र मह् ई + ईन्द्र ई मह् ई न्द्र महीन्द्र	
ई + ई = ई	नारी + ईश्वर = नारीश्वर ना र् ई + ईश्वर नार् ई श्वर नारीश्वर	
उ + उ = ऊ	गुरू + उपदेश = गुरूपदेश गुर् उ + उपदेश ऊ	

	गुर् + ऊ पदेश गुरूपदेश	
उ + ऊ = ऊ	लघु + ऊर्मि = लघूर्मि ल घ् उ + ऊर्मि ऊ लघ् ऊ र्मि लघूर्मि	
ऊ + ऊ = ऊ	सरयू + ऊर्मि = सरयूर्मि सरय् ऊ + ऊर्मि ऊ सरय् उ र्मि सरयूर्मि	
ऋ + ऋ = ॠ	पितृ + ऋण = पितॄण पित् ॠ + ऋण ॠ पित् ॠ ण पितॄण	

नोट – ऐसे ऋ वाली संधियो से बने दीर्घ ॠ वाले शब्द हिन्दी में प्रचलित नही है।

दीर्घ संधि के उदाहरण

अन्नाभाव	–	अन्न + अभाव	अ + अ = आ	परम + अर्थ = परमार्थ
भोजनालय	–	भोजन + आलय	अ + आ = आ	
विद्यार्थी	–	विद्या + अर्थी	आ + अ = आ	
महात्मा	–	महा + आत्मा	आ + आ = आ	
गिरीन्द्र	–	गिरि + इन्द्र	इ + इ = ई	
महीन्द्र	–	मही + इन्द्र	ई + इ = ई	
गिरीश	–	गिरि + ईश	इ + ई = ई	
रजनीश	–	रजनी + ईश	ई + ई = ई	रवि + इन्द्र = रवीन्द्र
भानूदय	–	भानु + उदय	उ + उ = ऊ	मुनी + इन्द्र = मुनीन्द्र
वधूत्सव	–	वधू + उत्सव	ऊ + उ = ऊ	अभिप्सा = अभि + ईप्सा
रामावतार	–	राम + अवतार	अ + अ = आ	भय + आक्रांत = भयक्रांत
सत्यार्थी	–	सत्य + अर्थी	अ + अ = आ	स्नेह + आविष्ट = स्नेहाविष्ट
रामायण	–	राम + अयन	अ + अ = आ	
धर्माधर्म	–	धर्म + अधर्म	अ + अ = आ	
पराधीन	–	पर + अधीन	अ + अ = आ	
पुण्डरीकाक्ष	–	पुण्डरिक + अक्ष	अ + अ = आ	
दैत्यारि	–	दैत्य + अरि	अ + अ = आ	
शताब्दी	–	शत + अब्दी	अ + अ = आ	
धर्मार्थ	–	धर्म + अर्थ	अ + अ = आ	
मुरारि	–	मुर + अरि	अ + अ = आ	

नीलाम्बर	–	नील + अम्बर	अ + अ = आ	
परमार्थ	–	परम + अर्थ	अ + अ = आ	
रूद्राक्ष	–	रुद्र + अक्ष	अ + अ = आ	
स्वाधीन	–	स्व + अधीन	अ + अ = आ	
गीताजंली	–	गीत + अंजली	अ + अ = आ	
दीपावली	–	दीप + अवली	अ + अ = आ	
प्रार्थी	–	प्र + अर्थी	अ + अ = आ	
छिद्रान्वेषी	–	छिद्र + अन्वेषी	अ + अ = आ	
मूल्यांकन	–	मूल्य + अंकन	अ + अ = आ	
अन्त्याक्षरी	–	अंत्य + अक्षरी	अ + अ = आ	
सापेक्ष	–	स + अपेक्ष	अ + अ = आ	
अभयारण्य	–	अभय + अरण्य	अ + अ = आ	
सत्यार्थी	–	सत्य + अर्थी	अ + अ = आ	
नारायण	–	नार + अयन	अ + अ = आ	कंटक + आकीर्ण = कंटाकाकीर्ण
परमात्मा	–	परम + आत्मा	अ + आ = आ	
पदावलि	–	पद + अवलि	अ + आ = आ	
रत्नाकर	–	रत्न + आकर	अ + आ = आ	
निगमागमन	–	निगम + आगमन	अ + आ = आ	
पद्माकर	–	पद्म + आकर	अ + आ = आ	
शरणागत	–	शरण + आगत	अ + आ = आ	
सत्याग्रह	–	सत्य + आग्रह	अ + आ = आ	
विद्याध्ययन	–	विद्या + अध्ययन	आ + अ = आ	
परीक्षार्थी	–	परीक्षा + अर्थी	आ + अ = आ	
रेखांकित	–	रेखा + अंकित	आ + अ = आ	
मुक्तावली	–	मुक्ता + अवली	आ + अ = आ	
दावानल	–	दावा + अनल	आ + अ = आ	
तथापि	–	तथा + अपि	आ + अ = आ	
महाशय	–	महा + आशय	आ + आ = आ	
द्राक्षासव	–	द्राक्षा + आसव	आ + आ = आ	
विद्यालय	–	विद्या + आलय	आ + आ = आ	
महात्मा	–	महा + आत्मा	आ + आ = आ	
प्रेरणास्पद	–	प्रेरणा + आस्पद	आ + आ = आ	
कवीन्द्र	–	कवि + इन्द्र	इ + इ = ई	
अतिव	–	अति + इव	इ + इ = ई	
अभीष्ट	–	अभि + इष्ट	इ + इ = ई	
अतीत	–	अति + इत	इ + ई = ई	
महीन्द्र	–	मही + इन्द्र	ई + इ = ई	
महतीच्छा	–	महती + इच्छा	ई + इ = ई	

कपीश	–	कपि + ईश	ई + इ = ई	
प्रतीक्षा	–	प्रति + ईक्षा	ई + इ = ई	
अधीक्षण	–	अधि + इक्षण	ई + इ = ई	
अभीप्सा	–	अभि + इप्सा	ई + इ = ई	
नारीश्वर	–	नारी + ईश्वर	ई + ई = ई	प्रति + ईक्षा = प्रतीक्षा
सतीश	–	सती + ईश	ई + ई = ई	
लघूत्तम	–	लघु + उत्तम	उ + उ = ऊ	
सूक्ति	–	सु + उक्ति	उ + उ = ऊ	
अनूदित	–	अनु + उदित	उ + उ = ऊ	
गुरूपदेश	–	गुरु + उपदेश	उ + उ = ऊ	
भानूदय	–	भानु + उदय	उ + उ = ऊ	
सिंधूर्मि	–	सिंधु + ऊर्मि	उ + ऊ = ऊ	
भानूर्जा	–	भानु + ऊर्जा	उ + ऊ = ऊ	
वधूत्सव	–	वधू + उत्सव	ऊ + उ = ऊ	
चमूत्तम	–	चमू + उत्तम	ऊ + उ = ऊ	
मातृण	–	मातृ + ऋण	ऋ + ऋ = ॠ	
होतृकार	–	होतृ + ऋकार	ऋ + ऋ = ॠ	

दीर्घ संधि की पहचान

दीर्घ संधि युक्त शब्दों में अधिकांशत आ, ई, ऊ की मात्राएँ (ा, ी, ू) आती है और इनका विच्छेद इन्ही मात्राओं से किया जाता है। जैसे – विद्यालय – विद्या + आलय

अपवाद

शक + अन्धु = शकन्धु   मूसल + धार = मूसलाधार
कर्क + अन्धु = कर्कन्धु   मनस् + ईषा = मनीषा
विश्व + मित्र = विश्वामित्र   युवन् + अवस्था = युवावस्था

(ii) गुण संधि

- जब अ, आ के बाद इ, ई आए तब दोनों मिलकर 'ए' हो जाते है।
  जैसे– देवेन्द्र – देव + इन्द्र (अ + इ = ए)
- अ, आ के बाद उ, ऊ आए तो दोनों मिलकर 'ओ' हो जाते हैं।
  जैसे– वीरोचित – वीर + उचित (अ + उ = ओ)
- अ, आ के बाद ऋ, ॠ आए तो दोनों मिलकर अर् हो जाते हैं।

जैसे–महर्षि–महा + ऋषि (आ + ऋ = अर)

गुण संधि की पहचान

गुण संधि युक्त शब्दों में अधिकांशत ए, ओ की मात्राएँ (े, ो) या र् आता है (ें) और इनका विच्छेद इन्हीं मात्राओं से किया जाता है।

गुण संधि को समझाने का तरीका

अ + इ = ए	गज + इन्द्र = गजेन्द्र गज् अ + इन्द्र ए गज् ऐ न्द्र गजेन्द्र नर + इन्द्र = नरेन्द्र नर् अ इ न्द्र ए नर् ए न्द्र नरेन्द्र
अ + उ त्र ओ	पर + उपकार = परोपकार पर् अ + उपकार ओ पर् ओ प कार परोपकार
आ + ऊ त्र ओ	गंगा + ऊर्मि = गंगोर्मि गंग् आ + उर्मि ओ

	गंग् ओ र्मि गंगोर्मि
अ + ऋ त्र अर्	सप्त + ऋषि त्र सप्तर्षि सप्त् अ + ऋषि अर् सप्त् अर् षि सप्तर्षि
आ + ऋ त्र अर्	वर्षा + ऋतु त्र वर्षर्तु वर्ष अ + ऋतु अर् वर्ष अर, तु वर्षर्तु

उदाहरण

गणेश	– गण + ईश	अ + ई = ए
यथेष्ट	– यथा + इष्ट	आ + इ = ए
रमेश	– रमा + ईश	आ + ई = ए
जलोर्मि	– जल + ऊर्मि	अ + ऊ = ओ
गंगोर्मी	– गंगा + ऊर्मि	आ + ऊ = ओ
कष्वर्षि	– कष्व + ऋषि	अ + ऋ = अर्
शुभेच्छा	– शुभ + इच्छा	अ + इ = ए
नरेश	– नर + ईश	अ + ई = ए
जलोष्मा	– जल + ऊष्मा	अ + ऊ = ओ
सप्तर्षि	– सप्त + ऋषि	अ + ऋ = अर्
नरेन्द्र	– नर + इन्द्र	अ + इ = ए
भारतेन्दु	– भारत + इन्दु	अ + इ = ए
मृगेन्द्र	– मृग + इन्द्र	अ + इ = ए
स्वेच्छा	– स्व + इच्छा	अ + इ = ए
देवेन्द्र	– देव + इन्द्र	
प्रेषिती	– प्र + ईषिती	
इतरेतर	– इतर + इतर	
अंत्येष्टि	– अन्त्य + इष्टि	
नृपेन्द्र	– नृप + इन्द्र	
महेन्द्र	– महा + इन्द्र	
अपेक्षा	– अप + ईक्षा	
प्रेक्षक	– प्र + ईक्षक	
राकेश	– राका + ईश	
गुड़ाकेश	– गुड़ाका + ईश	
सूर्योदय	– सूर्य + उदय	
सोदाहरण	– स + उदाहरण	
आद्योपान्त	– आद्य + उपान्त	
प्राप्तोदक	– प्राप्त + उदक	

जन्मोत्सव	– जन्म + उत्सव
अन्योक्ति	– अन्य + उक्ति
नीलोत्पल	– नील + उत्पल
परोपकार	– पर + उपकार
सर्वोदय	– सर्व + उदय
अन्त्योदय	– अन्त्य + उदय
महोदय	– महा + उदय
महोत्सव	– महा + उत्सव
जलोर्मि	– जल + ऊर्मि
जलोष्मा	– जल + ऊष्मा
देवर्षि	– देव + ऋषि
हेमन्तर्तु	– हेमन्त + ऋतु
शीतर्तु	– शीत + ऋतु
शिशिरर्तु	– शिशिर + ऋतु
उत्तमर्ण	– उत्तम + ऋण
अधमर्ण	– अधम + ऋण
राजर्षि	– राज + ऋषि
महर्ण	– महा + ऋण
महर्तु	– महा + ऋतु
तवल्कार	– तव + लृकार

गुण संधि से संबंधित विगत परीक्षाओं में पूछे गए महत्वपूर्ण प्रश्न

महा + उत्सव = महोत्सव
मम + इतर = ममेतर
नव + ऊढा = नवोढा
वर्षा + ऋतु = वर्षर्तु

नोट
अपवाद

- स्वर संधि में अगर 'प्र' के बाद ऊढ़/ऊढ़ा, ऊढ़ी ऊह आ जाए तो वहाँ गुण संधि न होकर वृद्धि संधि होगी।
  जैसे– प्रौढ़–प्र + ऊढ
  प्र + उह = प्रौह
- 'अक्ष' शब्द के बाद अगर 'ऊहिनी' शब्द आ जाए तो वहाँ भी गुण संधि न होकर वृद्धि संधि होगी।
  जैसे–
  अक्षौहिणी–अक्ष + ऊहिनी

(iii) वृद्धि संधि

- अ, आ के बाद ए, ऐ आनें पर दोनों मिलकर ऐ हो जाता है।
  जैसे– एकैक – एक+एक
- अ, आ के बाद ओ, औ आने पर दोनों मिलकर 'औ' हो जाता है।
  जैसे– महौषधि – महा + औषधि

अ/आ – ए/ऐ = ऐ	एक + एक = एकैक एक् अ + एक

Toppersnotes
Unleash the topper in you

	ऐ एक् ऐ क एकैक महा + ऐश्वर्य = महैश्वर्य मह् आ + ऐ श वर्य ऐ मह् ऐ श्वर्य महैश्वर्य
अ/आ – ओ/औ = औ	परम + औज = परमौज परम् अ + औज औ परम् औ ज परमौज महा + औषधि = महौषधि मह् आ + औषधि औ मह् औ षधि महौषधि

उदाहरण

1. परमैश्वर्य – परम + ऐश्वर्य
2. सदैव – सदा + एव
3. महैश्वर्य – महा + ऐश्वर्य
4. परमौज – परम + ओज
5. महौजस्वी – महा + ओजस्वी
6. वनौषध – वन + औषध
7. महौषध – महा + औषध
8. लोकैषणा – लोक + एषणा
9. हितैषी – हित + एषी
10. तथैव – तथा + एव
11. वसुधैव – वसुधा + एव
12. सदैव – सदा + एव
13. मतैक्य – मत + ऐक्य
14. विचारैक्य – विचार + ऐक्य
15. गंगौक – गंगा + ओक
16. महौज – महा + ओज
17. जलौषधि – जल + औषधि
18. परमौत्सुक्य – परम + औत्सुक्य
19. देवौदार्य – देव + औदार्य
20. विश्वैक्य – विश्व + ऐक्य
21. स्वैच्छिक – स्व + ऐच्छिक

वित + एषणा त्र वितैषणा
परम + एन्द्रजालिक – परमैन्द्रजालिक
गंगा + ऐश्वर्य – गंगैश्वर्य
परम + औदार्य – परमौदार्य
परम + औपचारिक – परमौपचारिक
मृदा + औषधि – मृदौषधि

वृद्धि संधि की पहचान

वृद्धि संधि युक्त शब्दों में अधिकांशत ऐ, औ की मात्राएं (ै, ौ) आती है और इनका विच्छेद इन्ही मात्राओं से होता है।

अपवाद

बिम्ब + ओष्ठ – बिम्बोष्ठ
अधर + ओष्ठ – अधरोष्ठ
दन्त + ओष्ठ – दतोष्ठ

वृद्धि संधि के विशेष नियम

यदि ऋण/दश/वसन/प्र/कंबल/वत्सतर के साथ ऋण शब्द का मेल हो रहा हो तो वहाँ वृद्धि एकादेश 'आर' होकर वृद्धि संधि हो जाती है।

ऋण + ऋण = ऋणार्थ (वृद्धि संधि)
दश + ऋण = दशार्ण (वृद्धि संधि)
वसन + ऋण = वसनार्ण (वृद्धि संधि)
प्र + ऋण = प्राण (वृद्धि संधि)
कम्बल + ऋण = कम्बलार्ण (वृद्धि संधि)
वत्सतर + ऋण = वत्सतरार्ण (वृद्धि संधि)

इन शब्दों के अलावा अन्य किसी शब्द के साथ ऋण शब्द का मेल होने पर 'गुण' एकादेश 'अर' होकर गुण संधि मान्य होगी।

जैसे – उत्तमर्ण = उत्तम + ऋण
महर्ण = महा + ऋण

स्वर शब्द के साथ ईर/ईरी/ईरिणी शब्दों का मेल होने पर वृद्धि एकादेश 'ए' किया जाता है व संधि होगी।

जैसे – स्व + ईर = स्वैर (वृद्धि संधि)

अ/आ स्वर के साथ 'ऋत' शब्द का मेल होने पर वृद्धि एकादेश 'आर' होकर वृद्धि संधि होगी।

पिपासा + ऋत = पिपासार्त (वृद्धि)
सुख + ऋत = सुखार्त (वृद्धि)

'परम' शब्द के साथ 'ऋत' शब्द का मेल होने पर 'गुण' एकादेश 'अर' होकर गुण संधि हो जाती है।

परम + ऋत = परमर्त (गुण संधि)

किसी भी अकारान्त उपसर्ग प्र/उप/अप/अव के साथ 'ऋ' स्वर से आरम्भ होने वाली क्रियापद (ऋच्छति) का मेल होने पर वृद्धि पर एकादेश 'आर' किया जाकर वृद्धि संधि होगी।

Toppersnotes
Unleash the topper in you

जैसे – प्र + ऋच्छति = प्रार्च्छति (वृद्धि संधि)

उप + ऋच्छति = उपार्च्छति (वृद्धि संधि)

अ/आ स्वर के साथ ऐहि/ओम/ओदन शब्दों का मेल होने पर केवल संयोग कार्य ए/ओ किया जाता है।

शिव + एहि = शिवेहि (संयोग)

शुक + ओदन = शुकोदन (संयोग)

शिवाय + ओम = शिवायोम (संयोग)

अ/आ स्वर के साथ ओष्ठ/ओतु शब्द का मेल होने पर विकल्प से वृद्धि एकादेश 'औ' तथा संयोग कार्य 'ओ' दोनों किए जा सकते है।

जैसे –

कण्ठ + ओष्ठ = कठौष्ठ (वृद्धि), कंठोष्ठ (संयोग)

दन्त + ओष्ठ = दन्तौष्ठ (वृद्धि), दंतोष्ठ (संयोग)

(iv) यण संधि

- यदि इ या ई, उ या ऊ, तथा ऋ के बाद कोई भिन्न स्वर आए तो– इ, ई का य, उ, ऊ का व, ऋ का र हो जाता है, साथ ही बाद वाले शब्द के पहले स्वर की मात्रा य, व, र में लग जाती है।

उदाहरण

1.	अत्यधिक	–	अति + अधिक
2.	इत्यादि	–	इति + आदि
3.	नद्यागम	–	नदी + आगम
4.	अत्युत्तम	–	अति + उत्तम
5.	अत्यूष्म	–	अति + ऊष्म
6.	प्रत्येक	–	प्रति + एक
7.	स्वच्छ	–	सु + अच्छ
8.	स्वागत	–	सु + आगत
9.	अन्वेषण	–	अनु + एषण
10.	अन्विति	–	अनु + इति
11.	पित्राज्ञा	–	पितृ + आज्ञा
12.	अत्यल्प	–	अति + अल्प
13.	व्यसन	–	वि + असन
14.	अध्यक्ष	–	अधि + अक्ष
15.	पर्यंक	–	परि + अंक
16.	अभ्यर्थी	–	अभि + अर्थी
17.	अभ्यंतर	–	अभि + अंतर
18.	व्यय	–	वि + अय
19.	पर्यवेक्षक	–	परि + अवेक्षक
20.	व्यर्थ	–	वि + अर्थ
21.	अत्यन्त	–	अति + अन्त
22.	प्रत्यक्ष	–	प्रति + अक्ष
23.	रीत्यनुसार	–	रीति + अनुसार
24.	व्यवहार	–	वि + अवहार
25.	न्यस्त	–	नि + अस्त
26.	अध्ययन	–	अधि + अयन
27.	प्रत्यय	–	प्रति + अय
28.	गत्यवरोध	–	गति + अवरोध
29.	गत्यनुसार	–	गति + अनुसार
30.	व्यष्टि	–	वि + अष्टि
31.	प्रत्यर्पण	–	प्रति + अर्पण
32.	अभ्यागत	–	अभि + आगत
33.	प्रत्याशा	–	प्रति + आशा
34.	अत्याचार	–	अति + आचार
35.	व्याकुल	–	वि + आकुल
36.	अभ्यास	–	अभि + आस
37.	अत्यावश्यक	–	अति + आवश्यक
38.	व्यापक	–	वि + आपक
39.	पर्याप्त	–	परि + आप्त
40.	पर्यावरण	–	परि + आवरण
41.	अध्यादेश	–	अधि + आदेश
42.	व्यास	–	वि + आस
43.	व्याप्त	–	वि + आप्त
44.	न्याय	–	नि + आय
45.	व्याकरण	–	वि + आकरण
46.	व्यायाम	–	वि + आयाम
47.	व्याधि	–	वि + आधि
48.	प्रत्यारोपण	–	प्रति + आरोपण
49.	अभ्युदय	–	अभि + उदय
50.	प्रत्युत्तर	–	प्रति + उत्तर
51.	उपर्युक्त	–	उपरि + उक्त
52.	प्रत्युपकार	–	प्रति + उपकार
53.	न्यून	–	नि + ऊन
54.	अत्यैश्वर्य	–	अति + ऐश्वर्य
55.	देव्यर्पण	–	देवी + अर्पण
56.	नद्यर्पण	–	नदी + अर्पण
57.	देव्यागमन	–	देवी + आगमन
58.	नार्युचित	–	नारी + उचित
59.	स्त्र्युचित	–	स्त्री + उचित
60.	स्त्र्युपयोगी	–	स्त्री + उपयोगी
61.	नद्यूर्मि	–	नदी + ऊर्मि
62.	अत्यौचित्य	–	अति + औचित्य
63.	स्वल्प	–	सु + अल्प
64.	मन्वन्तर	–	मनु + अन्तर
65.	स्वच्छ	–	सु + अच्छ
66.	मध्वरि	–	मधु + अरि
67.	तन्वंगी	–	तनु + अंगि
68.	स्वस्ति	–	सु + अस्ति
69.	गुर्वादेश	–	गुरु + आदेश
70.	गुर्वाज्ञा	–	गुरु + आज्ञा
71.	वध्वागमन	–	वधू + आगमन
72.	अन्विति	–	अनु + इति
73.	अन्वीक्षण	–	अनु + ईक्षण
74.	अन्वीक्षा	–	अनु + ईक्षा
75.	गुर्वोदार्य	–	गुरु + औदार्य
76.	पित्रनुमति	–	पितृ + अनुमति
77.	मात्राज्ञा	–	मातृ + आज्ञा

सामान्य अंग्रेजी

ARTICLE

Article

Indefinite - A/An **Definite – The**

Position of Article

1. Noun से पहले
   जैसे –
   He has an umbrella.
   Noun
2. Adjective से पहले
   जैसे –
   Monika has a long stick.
   Adjective
3. Adverb + Adjective + Noun से पहले
   जैसे – She is a very beautiful girl.
   Adv. Adj. N.
4. All/both + double + ….. + Noun के बीच में
   जैसे – All the girls.
   Double the amount.

A and An का प्रयोग

- A/An का प्रयोग अनिश्चित Singular Noun से पूर्व करते हैं।
  Eg:- I have a car.
  This is an orange.
- यदि किसी शब्द के उच्चारण की प्रथम ध्वनि व्यंजन हो तो → A, एवं स्वर हो तो → An
  जैसे –
  An umbrella [word में प्रथम अक्षर Vowel होने पर भी ध्वनि स्वर की है।]
  A union [word में प्रथम अक्षर Vowel होने पर भी ध्वनि व्यंजन की है।]
  A one rupee note [vowel होने पर भी ध्वनि व्यंजन की है।]
  An honest man [व्यंजन होने पर भी ध्वनि स्वर की है।]
- Vowel से प्रारम्भ होने वाले वाक्यों में an लगता है।
  An inkpot
  An apple
- जब u अक्षर 'यू' ही पढा जाऐ तो a लगता है।
  A European
  A useful
  A uniform
- जब o अक्षर को 'व' पढा जाये तो a लगता है।
  A one eyed boy
  A one handed girl
- जब h अक्षर 'अ' पढा जाऐ तो an लगता है।
  An hair
  An M.A.
  An L.L.B
- जब किसी verb को noun के रूप में प्रयोग करते हैं तो उससे पहले A या An लगता है।
  Ex:- He goes for a walk.
  She goes for a swim.
- जब Exclamatory sentence what या How से प्रारम्भ हो तो Singular countable noun से पूर्व A का प्रयोग होता है।
  Ex:- What a hot day.
  How find a day.
- Singular countable noun से पूर्व
  Eg:- I have a pen.
  Exclamatory वाक्यों में what/how के बाद
  Eg:- What a grand building.
- कुछ गिनती बताने वाले शब्द जैसे – hundred, thousand, million, dozen, couple से पहले 'a' लगता है।
  Eg:- A dozen pencil were bought by her.
- Half से पूर्व 'a' का प्रयोग किया जाता है।
  Eg:- $2\frac{1}{2}$ meter two and a half merter.
- कुछ विशेष Phrases में A/An का प्रयोग
  In a fix, in a hurry, in a nutshell, make a noise, make a foot, keep a secret, as a rule, at a stone's throw, a short while

ago, at a loss, take a fancy to, take an interest in, take a liking, a pity, tell a lie.

Omission of A/An -

(a) Plural noun से पूर्व नहीं किया जाता है ।
Eg:- A boys have come. (×)

(b) Uncountable noun से पूर्व

'The' का प्रयोग :–

(1)

Name of rivers	The Ganga
News papers	The Amar Ujala
Unique things (अद्वितीय)	The Earth, The Moon
Historical building	The Taj Mahal
Superlative degree	The best
Holy books	The Ramayan
Post	The Secretory, The D.M.
Nationality	The Indian
Ordinal Numbers	The First, The Second
Musical Instrument	The Tabla, The Flute
Mountain	The Himalyas

(2) Cinema, Theatre, Circus, office, Picture, Station, bus stop से पूर्व The Article लग जाता है ।
Ex:- My friend go to the theatre today.

(3) जब Proper noun या common noun बनाया जाता है तो The Article लग जाता है ।
Ex:- Kalidas is the Shakespeare of India.

(4) The का use किसी देश के नाम से पूर्व नहीं होता है but यदि country के नाम के साथ Republic/Kingdom/States जुड़ें हो तो इससे पूर्व The Article लग जाता है ।
Ex: - He visited India and United states. (×)
He visited India and the United states. (✓)

(5) Sky, Moon, World, Sea, से पूर्व The Article लग जाता है ।
Ex:- The sky is dark and the moon is shining.

(6) जब Adjective का use noun की भाँति होता है तो उससे पूर्व The Article लग जाता है ।
Ex:- Rich should help poor. (×)
The Rich should the help poor. (✓)

(7) जब Comparative degree से पूर्व कोई selection कराना हो तो उसके पूर्व The Article लग जाता है ।
Ex:- He is stronger of the two. (×)
He is the stronger of the two. (✓)

(8) जब कोई वस्तु Understood होती है तो उससे पूर्व 'The' का प्रयोग होता है ।
E.g:- Kindly return the book. (That I gave you)
Can you turn off the lights ? (The light in the room)

(9) Ordinal से पूर्व 'The' का प्रयोग किया जाता है । (First, second, third, ...)
E.g:- The second chapter of this book is very difficult.

(10) Adjective 'same' एवं 'whole' के पहले और 'all' एवं 'both' के बाद article 'The' का प्रयोग होता है ।
Eg:- He is the same boy that met me in the market.
The whole period was wasted.

Omission of 'The'

(1) Name of games, Name of Subjects से पूर्व the article नहीं लगाते है ।
Ex:- I play the cricket. (×)
I play cricket. (✓)

(2) Proper noun से पूर्व The article नहीं लगाते है ।

Ex:- Shakespeare was the greatest dramatist. (✓)

(3) Before Material Noun

Ex:- Gold is the most Precious metal. (✓)

The Tea grows in India. (×)

Tea grows in India. (✓)

Particular sens e में

Ex:- The tea of Assam is very famous. (✓)

Ex:- Water of the ganga is sacred. (×)

The Water of the Ganga is sacred. (✓)

(4) Before Abstract noun (भाववाचक संज्ञा)

Ex: - The virtue is its own reward. (×)

Virtue is its own reward. (✓)

Ex: - The love is a natural feeling. (×)

Love is a natural feeling. (✓)

Exception

Particular sense में

Ex:- Honesty of Ram cannot be doubted. (×)

Ex:- The honesty of Ram cannot be doubted. (✓)

He speaks the truth. (✓)

(5) Before languages :-

Ex:- The english is spoken all over the world. (×)

English is spoken all over the world. (✓)

Particular sense में

Ex:- He knows the Sanskrit language.

(6) School, college, home, church, temple, sea, burnt, bed, table, hospital, market, prison, court के पहले The article नहीं लगाते है ।

Ex:- I go to the bed early. (×)

Ex:- I go to bed early. (✓)

(7) Name of disease के पहले The article नहीं लगाते है ।

Ex:- He died of the cholera. (×)

Ex:- He died of cholera. (✓)

Note: - But the rickets, the plague, the flu, the mumps, the measles are correct.

(8) Regular meals के पहले The article नहीं लगाते है ।

Ex:- I take the breakfast. (×)

Ex:- I take breakfast. (✓)

Particular sense में

Ex:- The lunch that was served to the guests was delicious. (✓)

(9) Parts of body, mode of travel के पहले The article नहीं लगाते है ।

Ex:- The liver is the largest organ of human body. (×)

Ex:- Liver is the largest organ of human body. (✓)

Ex:- He will go there by the bus. (×)

Ex:- He will go there by bus. (✓)

(10) The name of relations के पहले The article नहीं लगाते है ।

Uncle/mother, father

Ex:- Father will go to Delhi tomorrow.

Preposition

Preposition शब्द वाक्य में ऐसा शब्द होता है जो सामान्यतया Noun/Pronoun के पूर्व प्रयुक्त होता है एवं Noun/ Pronoun का संबंध वाक्य में प्रयुक्त अन्य शब्दों से व्यक्त करता है ।

Preposition के प्रकार

मुख्यतः चार प्रकार के होते है –

1. **Simple preposition -** ये एक शब्द वाले होते है ।
   जैसे– At, in, for, from, of, off, on, out, till, to, up, with, through, down, by इत्यादि ।
2. **Compound preposition -** ये a या be या अन्य preposition के साथ मिलकर बनते है ।
   जैसे–

about	beside	inside
along	below	outside
among	between	without
aloud	beyond	underneath

3. **Phrasal preposition:-** ये दो या दो से अधिक शब्दों को जोडकर बनने वाले शब्द है ।
   जैसे– Along with, in addition to, in spite of, owing to, instead of, in accordance with इत्यादि ।
4. **Participate preposition:-**
   बिना Nonu/Pronoun के Present participle का use करते है ।
   जैसे– Concerning, pending, Regarding, Considering इत्यादि ।

Preposition की स्थिति

1. जब Object Interrogative Pronoun; जैसे– What, Who, Whom, Which, Where, etc होता है तो Preposition को वाक्य के अंत में लगाया जाता है ।
   जैसे–
   (a) What are you thinking <u>of</u>?
   (b) What is he crying <u>for</u>?
2. जब Object-Infinitive हो तो Preposition को Infinitive के बाद लगाया जाता है ।
   जैसे–
   (a) This is a good hotel to stay <u>at</u>.
   (b) I need a pencil to write <u>with</u>.
3. जब Object-Relative Pronoun जैसे that होता है तो भी Preposition वाक्य के अंत में लगाया जाता है ।
   जैसे –
   (a) Here is the magazine that you asked <u>for</u>.
   (b) This is the dish that she is fond <u>of</u>.

Uses of some prepositions

1. **Use of 'At':**
   - छोटे स्थानों के नाम (name of smaller places) के पहले ।
     जैसे– My brother lives at Darbhanga.
     I live at Musallahpur hat.
   - At का प्रयोग नीचे दिये गए शब्दों के बाद 'लक्ष्य' के अर्थ को अभिव्यक्त करने के लिए होता है ।
     जैसे– Shout at, grumble at, shoot at, laugh at, mock at, bite at, look at, kick at, aim at, smile at, growl at इत्यादि ।
   - समय को अभिव्यक्त करने के लिए 'पर' के अर्थ में ।
     जैसे– He will reach at 5 a.m.
     He came at 6 O'clcok.
   - At का प्रयोग नीचे दिये गये शब्दों के पहले होता है ।
     जैसे –

At Home	At the station
At a party	At page 50
At school	At the airport
At a match	At the bottom
At college	At the theatre
At a lecture	At a conference

At university At the bus stop At a concert
At the bridge At the platform At the top

- समय सूचक शब्दों के पहले ।
  जैसे –

At night	At noon
At dawn	At dusk
At midnight	At afternoon
At daybreak	At twilight

- कीमत/दर/चाल की दर को अभिव्यक्त करने वाले शब्दों के पहले ।
  जैसे– Milk sells at Rs. 22/- a liter.
- कीमत/दर/चाल की दर को अभिव्यक्त करने वाले शब्दों के पहले ।
  जैसे– Milk sells at Rs. 22/- a liter.
- Temporary action (अस्थायी कार्य) को अभिव्यक्त करने वाले शब्दों के लिए ।
  जैसे– He is at work.
  अर्थ– He is working now.
  She is at play.
  अर्थ– She is playing now.
- उम्र (age) तथा चरण (stage) को अभिव्यक्त करने वाले शब्दों के पहले ।
  जैसे– My grandfather died at the age of sixty.
  I left college at twenty five.

2. Use Of 'In'

- In का प्रयोग बडे स्थानों (bigger places)
  जैसे –
  देश, शहर, महादेश, राज्य, महानगर आदि के नामों के पहले होता है ।
  जैसे–

We live in India.	(देश)
India is in Asia.	(महादेश)
She lived in Uttar Pradesh.	(राज्य)
Mr. Thakur lives in Patna.	(शहर)
My father-in-law lives in Mumbai	(देश)

- In का प्रयोग निम्नलिखित phrases में होता है ।
  जैसे –
  In the night. → In the evening.
  In the morning. →In the afternoon.
- In का प्रयोग permanent action (स्थायी कार्य) को अभिव्यक्त करने के लिए किया जाता है ।
  जैसे –
  His brother is in the Army. → He is in the Navy.
  I am in the education.→ He is in the politics.
- In का प्रयोग period of time expressing words (अवधि/समय सूचक शब्दों) के पहले होता है ।
  जैसे –
  In a week, In this week, In this month, In this season, In spring, In January, In summer, In 1999, In the year of 1942, In the Victorian age, In the Elizabethan age इत्यादि ।

3. Use of 'On'

- On का प्रयोग 'स्थान स्पर्श' के भाव को अभिव्यक्त करने के अर्थ में किया जाता है ।
  जैसे –
  There are two books on the table.
  He was carrying a suitcase on his head.
  The headmaster is sitting on a wheel chair.
- On का प्रयोग 'को/पर' के अर्थ में time express words के पहले होता है ।

निश्चितता के संबोध होने पर ऐसा प्रयोग होता है ।

जैसे– On Monday
On Tuesday
On Monday evening
On the morning of the event

- On का प्रयोग Possessive Adjective + cycle/ scooter/ motorcycle के पहले होता है ।

  जैसे– He goes to school on his cycle/scooter/ motorcycle.

- On का प्रयोग A/An/the + bus/train/ airplane/ship के पहले होता है ।

  जैसे– He was on a bus/a train/ a plane/ a ship.

- On का प्रयोग foot, horse's back, a horse, a camel, a camel's back, an elephant, elephant's back, a buffalo, buffalo's back के पहले होता है ।

  जैसे– He walks on foot.
  He was riding on a horse.

- On का प्रयोग 'की ओर' के अर्थ में Direction (दिशा) का बोध कराने के लिए होता है ।

  जैसे – The robber drew a dagger on him.

4. Use of 'Into'

- Into का प्रयोग motion inside anyting – (किसी चीज के भीतर की ओर गति) के भाव के लिए किया जाता है ।

  जैसे– The frog fell into the river.
  He jumped into the river.
  The robbers broke into my house.

- Into का प्रयोग एक माध्यम से दूसरे माध्यम में या एक अवस्था से दूसरी अवस्था में परिवर्तन के लिए होता है ।

  जैसे– Translate into English.
  Milk turns into curd.
  Water turns into ice.

- Into का प्रयोग 'का/के/की' अर्थ में भी होता है ।

  जैसे– The police inspector enquired into the case.
  That old man has insight into man's character.

5. Use of 'Between'

- Between का प्रयोग दो व्यक्तियों या वस्तुओं के लिए होता है ।

  जैसे –
  1. She was sitting between her husband and her father.
  2. Divide these mangoes between you and me.

- Between का प्रयोग दो से अधिक व्यक्तियों या वस्तुओं के बीच पारस्परिक संबंध (reciprocal relationship) बताने के लिए किया जाता है ।

  जैसे –
  1. There is co-operation between these three families.
  2. There is alliance between these six countries.

Note : between का प्रयोग differences के बाद होता है Among का नहीं ।

जैसे –
1. What are the differences between oxen and bulls? (✓)
2. What are the differences among oxen and bulls? (X)

6. Use of 'Among'

- Among का प्रयोग दो से अधिक व्यक्तियों या वस्तुओं के लिए होता है ।

  जैसे –
  1. Divide these mangoes among the children. (✓)
  2. Divide these mangoes between the children. (X)

Note: Among & Amongst के प्रयोग में फर्क–

(i) Among का प्रयोग consonant starting plural noun के पहले होता है तथा Vowel Starting Words के पहले Amongst का प्रयोग होता है ।

जैसे – Among the boys. (✓)
Amongst the boys. (✓)
Amongst our brothers. (✓)
Among our brothers. **(X)**

7. Use of 'Beside' and 'Besides'

- Beside का प्रयोग 'बगल में' 'समीप या बाहर' (by the side of/outside) के अर्थ में होता है ।
  जैसे –
  1. Go and sit beside your father.
  2. The child was sitting beside the mother.
- Besides का प्रयोग 'अतिरिक्त/के अलावा' के अर्थ में होता है ।
  जैसे –
  1. Besides Sweta, all of the girls were present in the class.
  2. Besides the Ramayana, I have the Gita.
  3. Besides Urdu, I know English and Hindi.

8. Use of 'Above'

- Above का प्रयोग 'ऊपर' (higher than/over) के अर्थ में होता है ।
  जैसे –
  1. The kites rose above the cloud.
  2. The aero plane is flying above the cloud.
- Above का प्रयोग संख्या या मात्रा में अधिक के अर्थ में होता है । जैसे–
  1. There are above fifty students in the class.
  2. Her expenses are above her means.
- Above का प्रयोग 'से परे' (superior to) के अर्थ में होता है ।
  जैसे – Sudhir jee is publisher above suspicion.
- Above का प्रयोग Level बताने के लिए होता है ।
  जैसे – Mount Everest is 8848 meters above sea level.

9. Use of 'Over'

- Over का प्रयोग 'के ऊपर' (स्पर्श करते हुए) के अर्थ में होता है । (जब कोई वस्तु दूसरी वस्तु को पूरी कवर करती है ।)
  जैसे - Please spread the cloth over the table.
- Over का प्रयोग 'के ऊपर' (स्पर्श नहीं करते हुए) के अर्थ में होता है ।
  जैसे –
  1. The clouds are over our heads.
  2. The plane is flying over the town.
- Over का प्रयोग all over के अर्थ में होता है ।
  जैसे –
  1. English is spoken all over the world.
  2. He has friends all over the country.
- Over का प्रयोग more than (से अधिक) के अर्थ में होता है ।
  जैसे– Mr. Ganguly is over forty.
- Over का प्रयोग 'एक छोर से दूसरे छोर' या 'आर-पार' के अर्थ में होता है ।
  जैसे– There is a bridge over the river.

Note -

1. Across का प्रयोग भी इस अर्थ में होता है
   जैसे– There is a bridge across the river.
2. Across का प्रयोग 'के उस पार' के अर्थ में भी होता है ।

Toppersnotes Unleash the topper in you